मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–21

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.-21 : संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।*

3×20=60

1. संस्कृत वाङ्मय का परिचय देते हुए वैदिक साहित्य पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।
2. संस्कृत भाषा की उत्पत्ति व विकास को प्रस्तुत करते हुए इसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।
3. गणित विज्ञान का परिचय देते हुए आर्यभट्ट एवं ब्रह्मगुप्त के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।
4. चिकित्सा विज्ञान का परिचय देते हुए उसकी आचार्य परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित कृषि विज्ञान का वर्णन करते हुए उसके महत्व को समझाइए।
6. भौतिक विज्ञान के विभिन्न सिद्धान्तों का वर्णन करते हुए वैदिक वाङ्मय में प्राप्त साक्ष्यों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

4×10=40

7. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित मनोविज्ञान के आचार्य एवं उनके ग्रंथों का विस्तृत परिचय दीजिए।

8. संस्कृत वाङ्मय में प्राप्त वैमानिक विज्ञान के साक्ष्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

9. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित वृष्टि विज्ञान को विस्तारपूर्वक समझाइए।

10. भारतीय गणितीय परंपरा के आचार्यों की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

11. भारतीय ज्योतिषशास्त्र में वर्णित दिवस, मास व वर्ष की गणना को विस्तारपूर्वक समझाइए।

12. लौकिक साहित्य का परिचय दीजिए।

× × × × ×